Govt. Degree College, Bagaha - 1 (W. Champaran)

Babasaheb bhimrao Ambedkar University Muzaffarpur (Bihar)

B.A. Part - 1 (Hons.)

Paper - II

Topic Japan

Dharmesh nanda
Assita professor (Guest)
Geography Department

Japan : Agriculture & Fisheries , Industrial development

जापान की अधिकांश जनसंख्या पूर्वी तट में निवास करती है पूर्वी तट न केवल अधिक कटा-छंटा है, बल्कि यह तट तूफान से भी सुरक्षित है। इस तट पर अनेक सुन्दर प्राकृतिक बंदरगाह हैं। जापान का सबसे विकसित भाग एवं औद्योगिक प्रदेश इसी तट पर स्थित है।

जापान में मात्र 6 % जनसंख्या कृषि कार्य में लगी हुई है। जापान में गहन कृषि की जाती है। यही कारण है कि यहां प्रति हैक्टेयर उत्पादन काफी अधिक है। जापान की 70% कृषि भूमि पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है। जापान की सबसे बड़ी नदी शिनानो है, जिसकी लम्बाई 369 किमी. है जापान की जलवायु शीतोष्ण मानसूनी जलवायु है। शीत ऋतु में जापान के पश्चिमी तट पर वर्षा होती है। जापान में दक्षिण-पूर्वी मानसूनी द्वारा मई से अक्टूबर तक वर्षा होती है। इस प्रकार जापान में अधिकांश वर्षा ग्रीष्म ऋतु में होती है। जापान में ग्रीष्म ऋतु (मुख्यतः जून-जुलाई) में होने वाली वर्षा को बेर वर्षा (Plum Rain) कहा जाता है। यह वर्षा बेर की फसल के लिए लाभदायक होती है। सितम्बर के महीने में जापान में उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों (टाइफून) से वर्षा होती है। जापान के 11 प्रतिशत भाग पर घास, झाड़ियों आदि का विस्तार है, जिसे गेनया कहा जाता है। जापान में चौड़ी पत्ती वाले वनों की अधिकता है।

जापान में 43 % भाग पर चावल की कृषि की जाती है।

मैदानी चावल - होटा (Hota)
पहाड़ी चावल - ओका (Cato)
दलदली चावल - टा (Ta)

जापान के व्यापारिक फसलों में चाय महत्वपूर्ण है चाय का उत्पादन मूलतः घरेलू मांग की पूर्ति के लिए किया जाता है। जापान की सेन्चा जाति की हरी चाय विश्व प्रसिद्ध है। टोकियो के पश्चिम का क्षेत्र एवं शिजुओका प्रांत चाय के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र है।

रेशम जापान की व्यापारिक कृषि का प्रधान पदार्थ है। व्यापारिक फसलों में जापान की सर्वाधिक कृषि भूमि रेशम उत्पादन के लिए शहतूत के वृक्षों के अंतर्गत लगी हुई है। सबसे अधिक शहतूत के वृक्ष नगोया एवं टोकियो क्षेत्र में मिलते हैं। कुल कृषि योग्य भूमि के 10% भाग में रेशम का उत्पादन किया जाता है।

विश्व की प्रति व्यक्ति मछली की सर्वाधिक खपत जापान में है। जापान की अधिकांश मछली होकैडो क्षेत्र से प्राप्त होता है। व्हेल मछली के उत्पादन में जापान विश्व में प्रथम स्थान रखता है।

जापान में लौह अयस्क का सर्वाधिक उत्पादन उ०प० होन्शू की कैमेशी एवं सनीन खानों से होता है। अन्य केन्द्रों में होकैडो द्वीप की कुच्यान एवं ओहीमाता प्रमुख हैं। जापान में खनिज तेल का उत्पादन उत्तरी होन्शू एवं होकैडो के पश्चिमी तटीय भागों में किया जाता है। क्वान्टो का मैदान (टोकियो-याकोहामा प्रदेश) जापान में रेशम उत्पादन का प्रमुख केन्द्र है, अतः इस प्रदेश में रेशम उद्योग का काफी विकास हुआ है। जापान के कुल रेशमी वस्त्र का 57 प्रतिशत भाग इस प्रदेश में तैयार किया जाता है। कोबे-ओसाका औद्योगिक प्रदेश जापान का सबसे बड़ा औद्योगिक प्रदेश है जहां जापान के कुल औद्योगिक उत्पादन का 33% माल उत्पन्न किया जाता है। इस प्रदेश में जापान के कुल सूती वस्त्र का 58% भाग उत्पन्न किया जाता है।

ओसाका से जापान के कुल सूती वस्त्र उत्पादन का 37% भाग प्राप्त होता है। ओसाका को 'पूरब का मैनचेस्टर' कहा जाता है। कोबे में जलयान निर्माण एवं क्योटो में खिलौना निर्माण उद्योग महत्वपूर्ण है। नगोया यहाँ का सबसे प्रसिद्ध एवं विकसित ऊनी वस्त्र उद्योग है यहाँ जापान के कुल ऊनी वस्त्र उद्योग का 58% माल तैयार होता है।

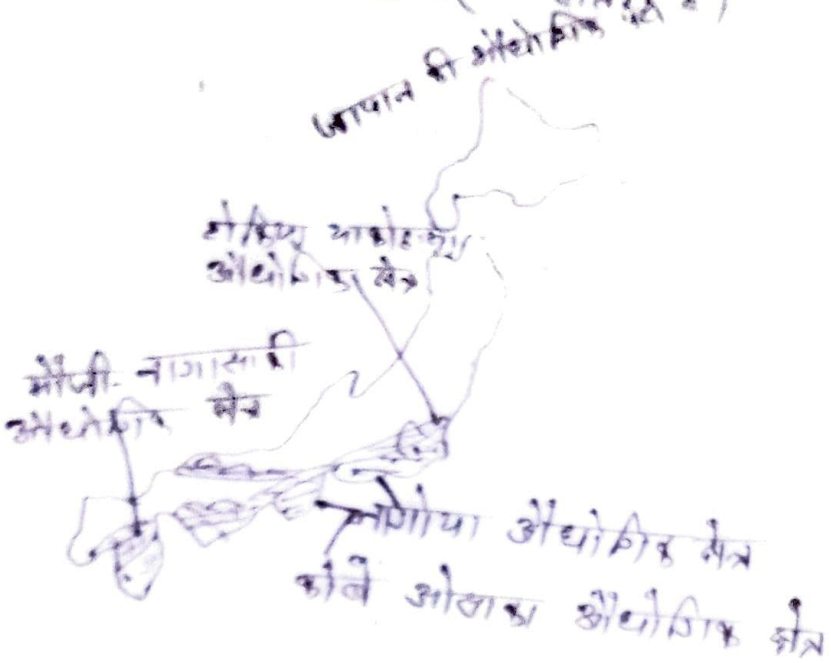

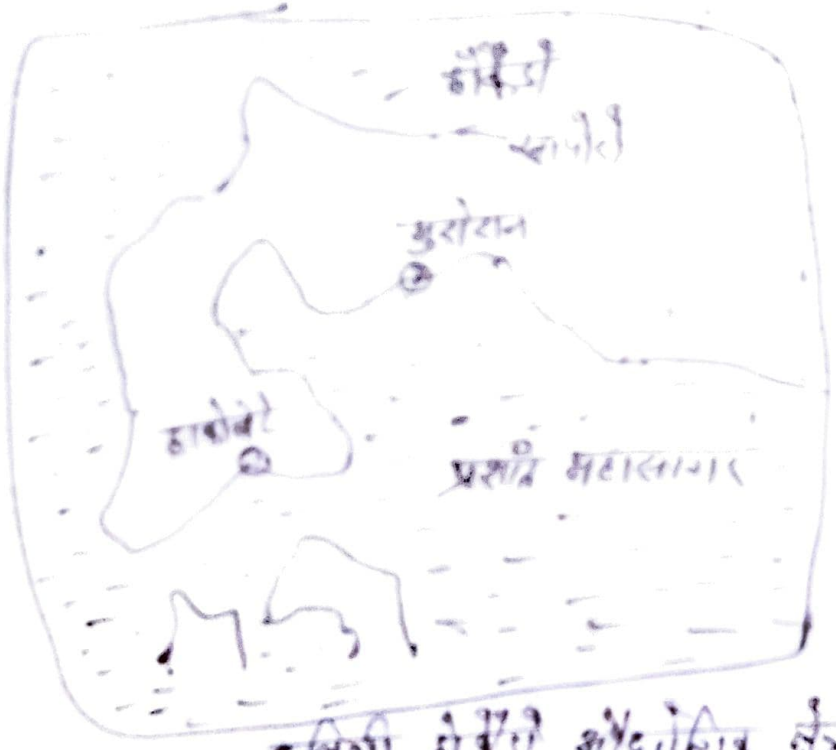

दक्षिणी होकैडो औद्योगिक क्षेत्र

नागासाकी मोजी प्रदेश में लोहा एवं इस्पात उद्योग का सर्वाधिक विकास हुआ है। यह प्रदेश जापान के कुल कच्चा लोहा उत्पादन [illegible] प्रतिशत एवं इस्पात उत्पादन का 76% माल तैयार करता है।

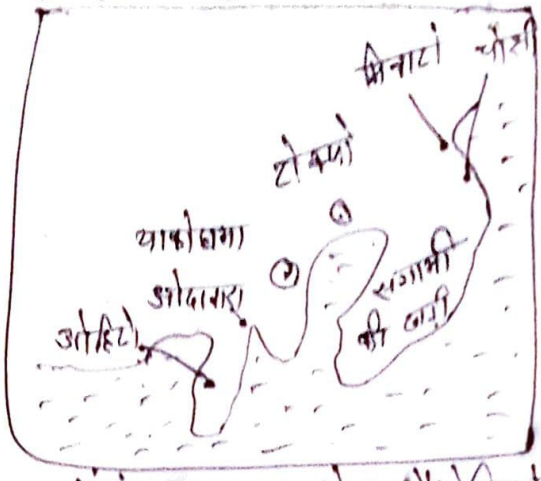

प्रशांत महासागर होन्शू औद्योगिक क्षेत्र

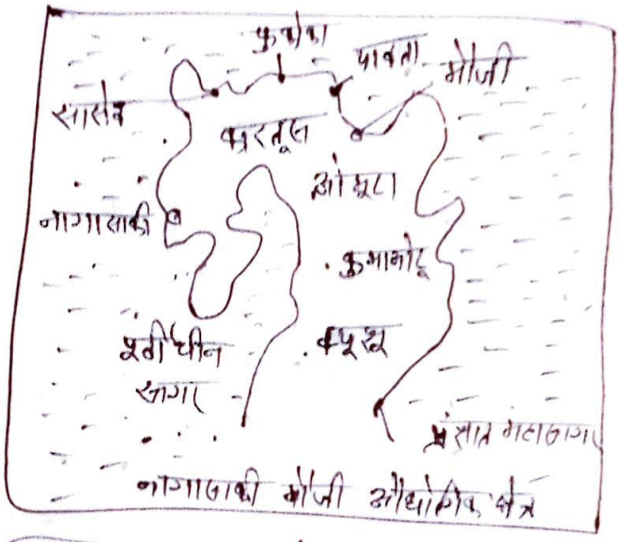

नागासाकी मोजी औद्योगिक क्षेत्र

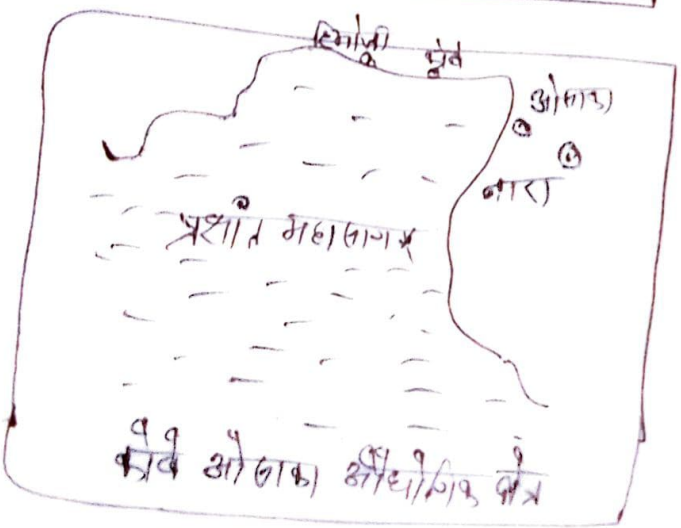

ओसाका औद्योगिक क्षेत्र